Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

ARJUN BATCH

CLASS 11th | GEOGRAPHY

संरचना तथा भू-आकृति विज्ञान

अध्याय-2 | भाग-1

एकदम BASIC से!



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

11th

भारत का भौतिक पर्यावरण

Ch → 1

भौतिक भूगोल के मूल सिद्धान

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?



1. भारतीय प्लेट संचलन
2. प्रायद्वीपीय खंड
3. नदियाँ

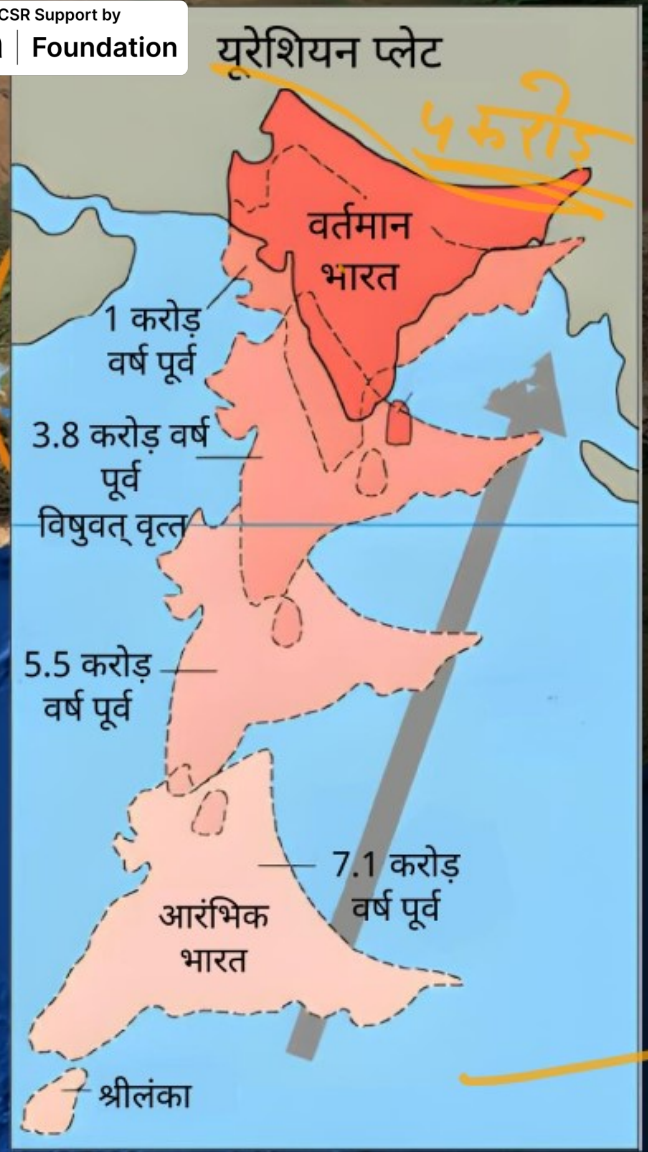
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

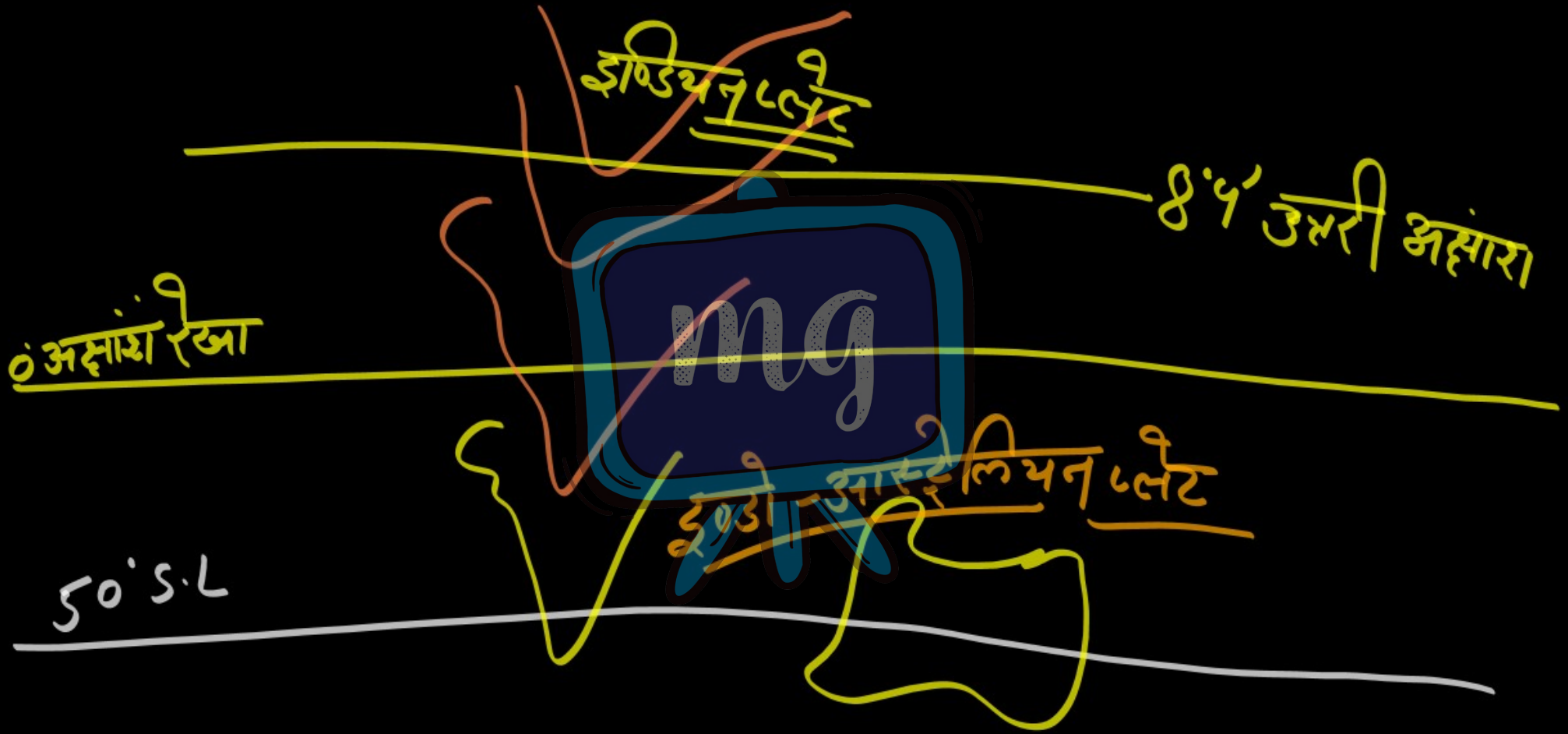


भारतीय प्लेट संचलन

- पृथ्वी की आयु लगभग 46 करोड़ वर्ष।
- 14 करोड़ वर्ष पूर्व भारतीय प्लेट 50° दक्षिणी अक्षांश पर थी।
- 4 करोड़ वर्ष पूर्व यूरेशियाई प्लेट से टकराई।

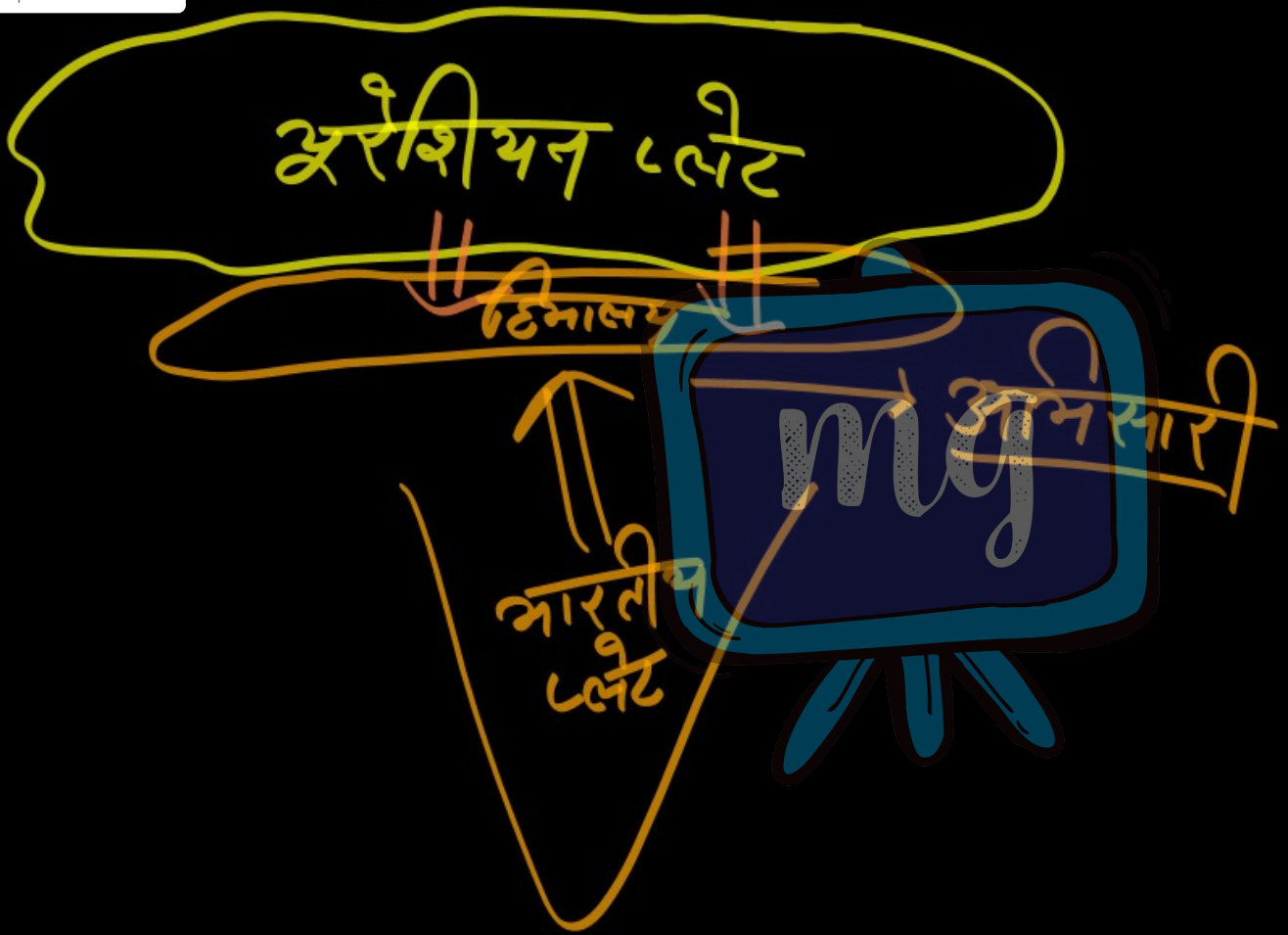
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्लेट विवर्तनिकी सिद्धान्त → 1960

हैरी हेस

→ जलीय भाग प्लेट

→ स्थलीय भाग प्लेट



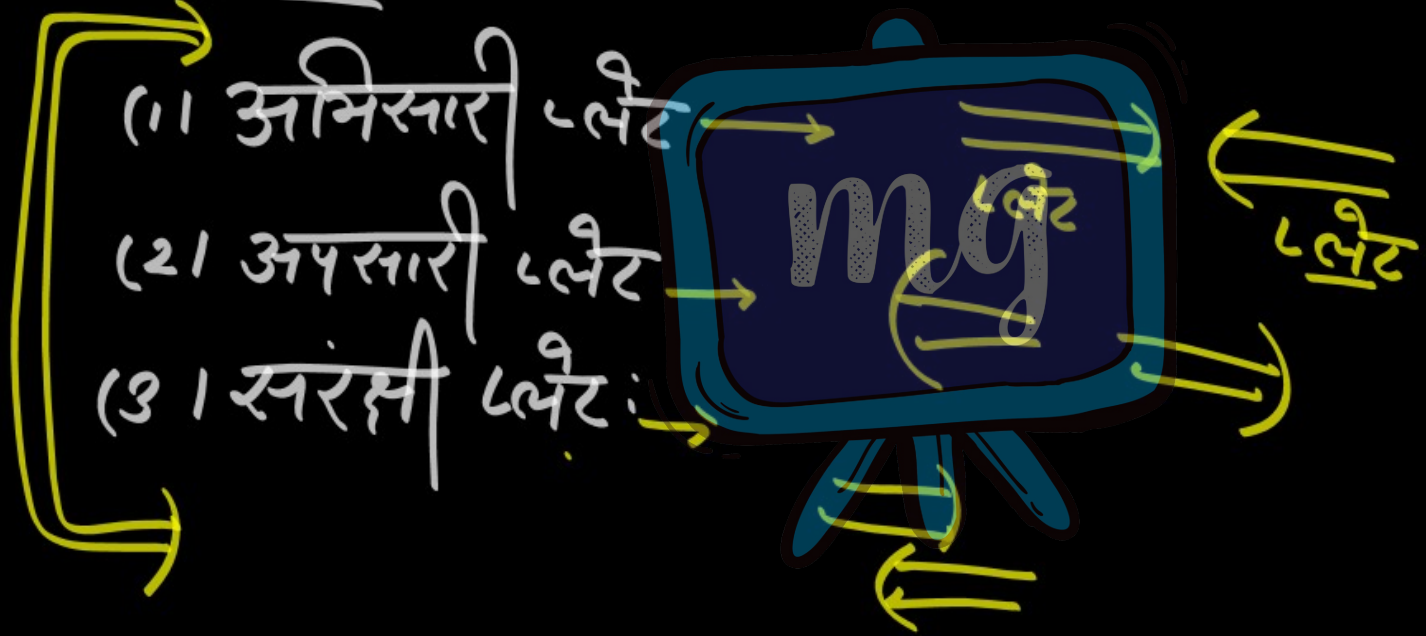
→ स्थल → महाद्वीप

→ जल → महासागर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

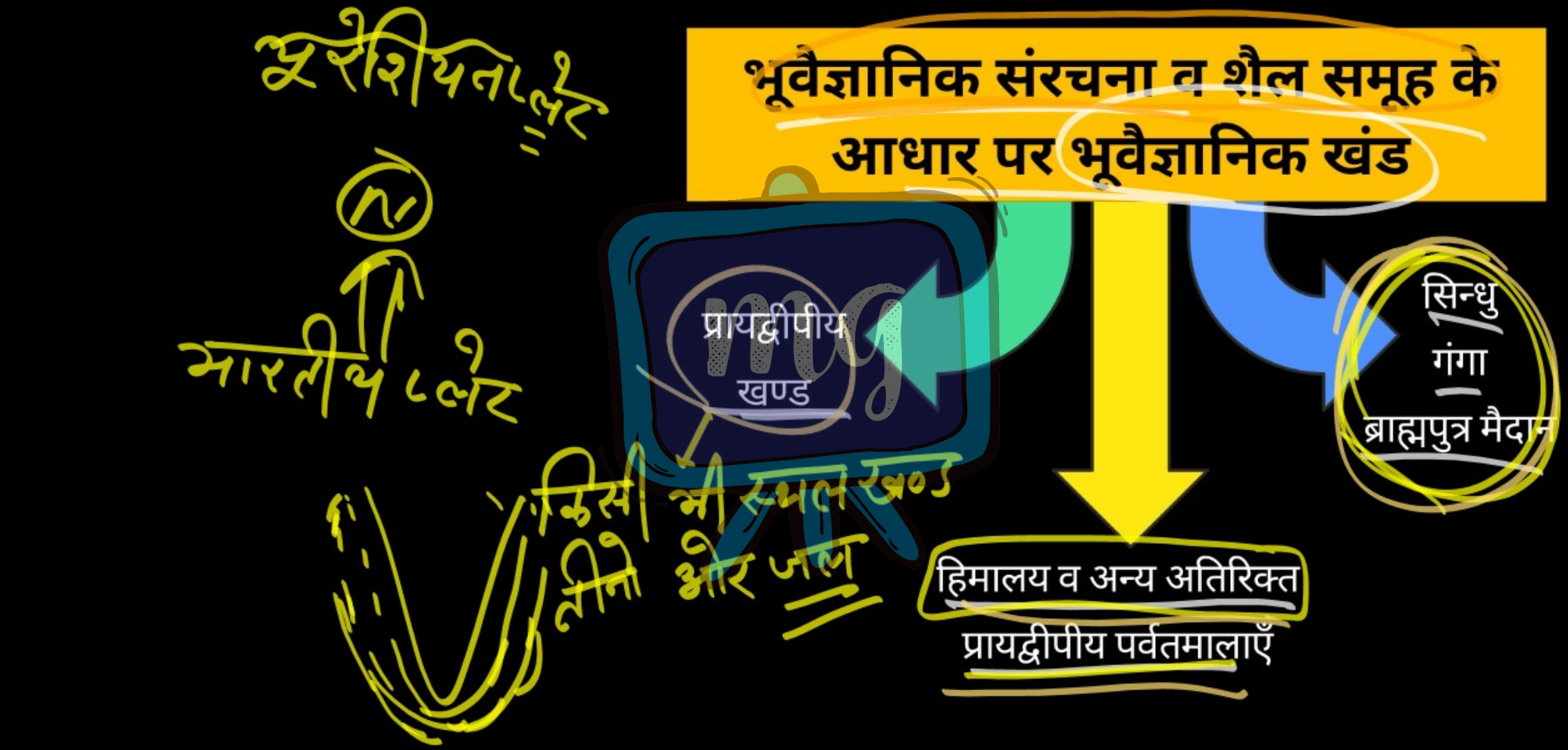
प्लेट



Under CSR Support by
ipca | Foundation

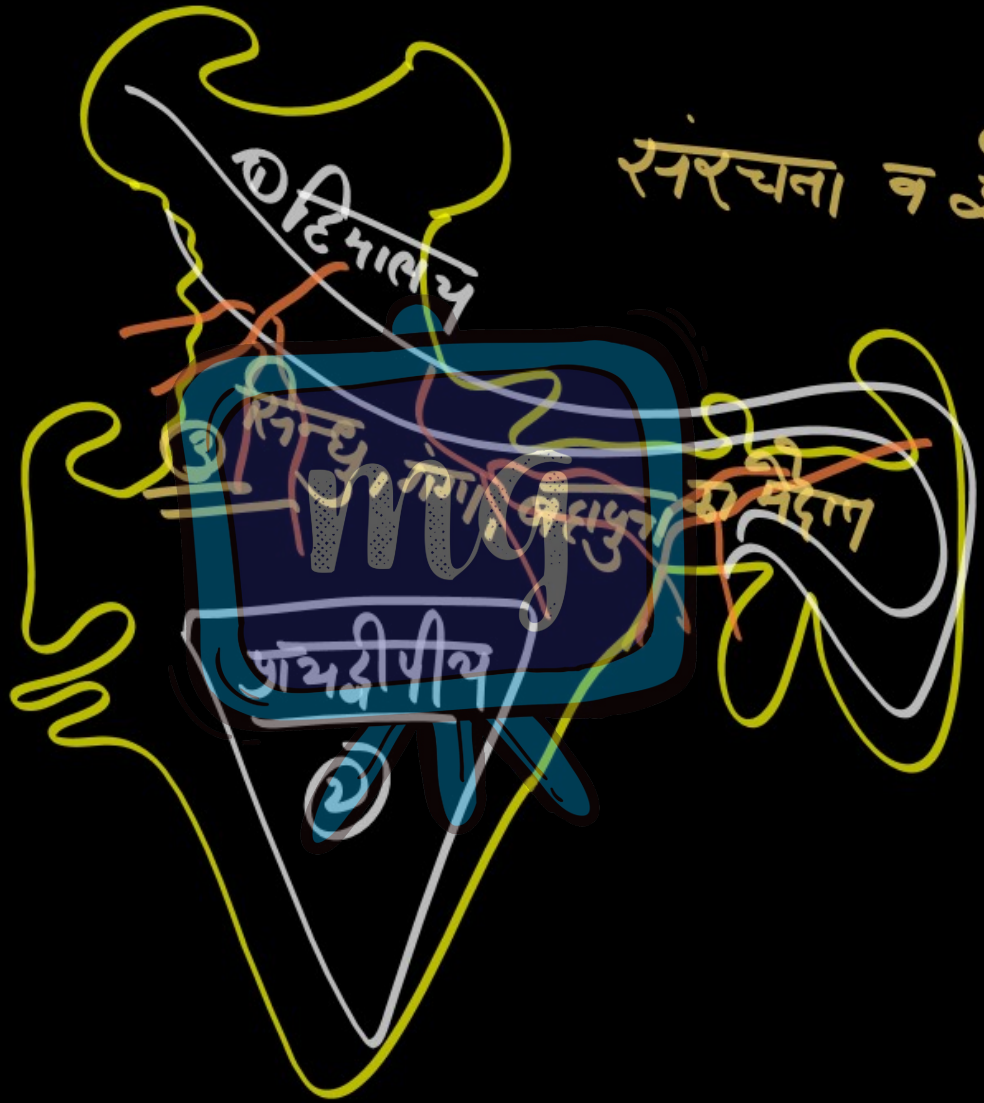
mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भूवैज्ञानिक संरचना व शैल समूह के आधार पर भूवैज्ञानिक खंड



Under CSR Support by
ipca | Foundation

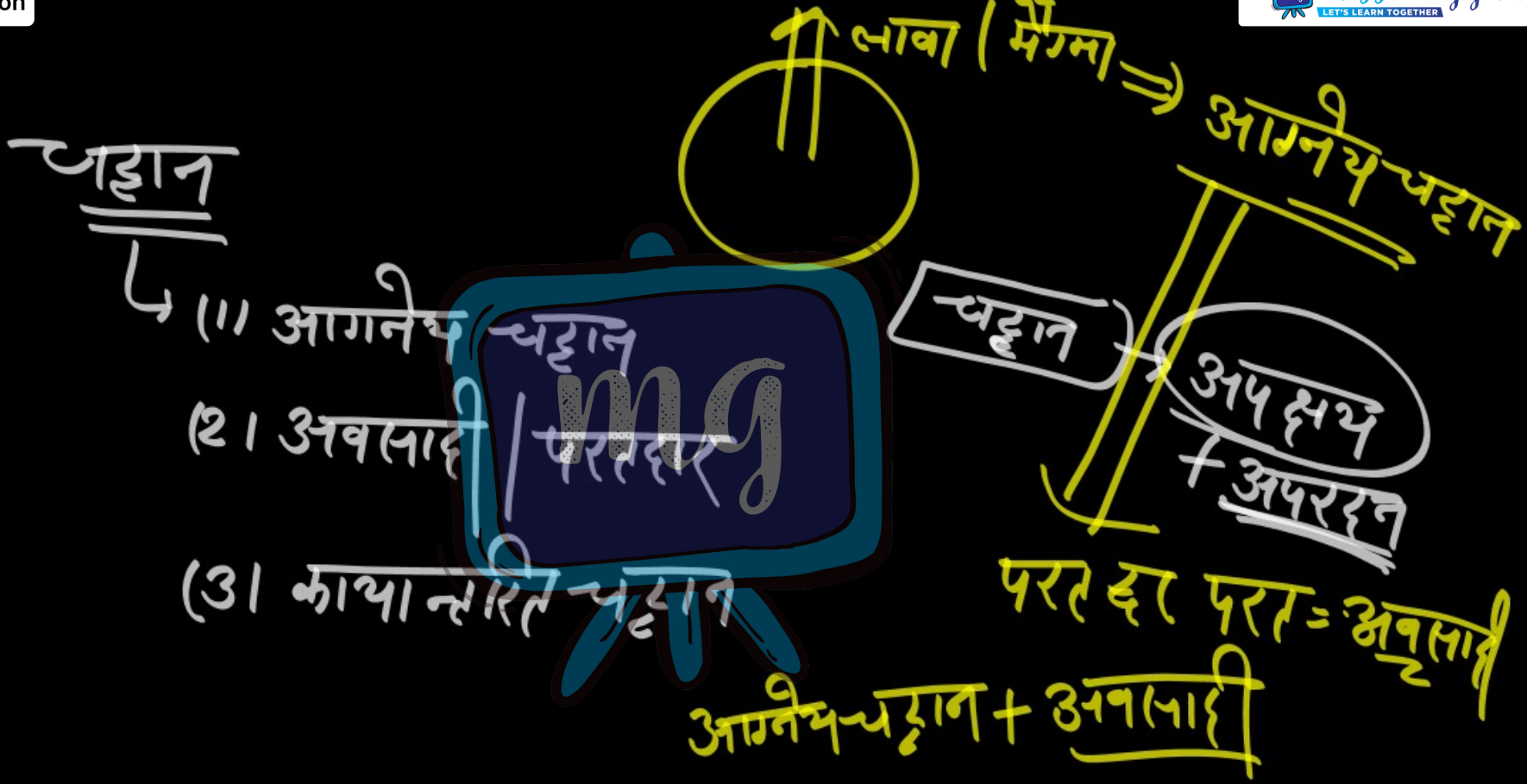
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



संरचना व शैल (चट्टान) समूह के आधार

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आग्नेय → ग्रेनाइट

अवसादी चट्टान → आग्नेय चट्टान का अपक्षय व अपरदन के कारण एक स्थान से दूसरे स्थान पर दर परत के रूप निक्षेप होना अवसादी चट्टान कहलाते हैं।

कोयला

कायान्तरीत चट्टान → आग्नेय चट्टान व अवसादी में ताप व दाब के कारण मूल स्वरूप में परिवर्तन होना कायान्तरित चट्टान

हीरा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रायद्वीपीय खण्ड

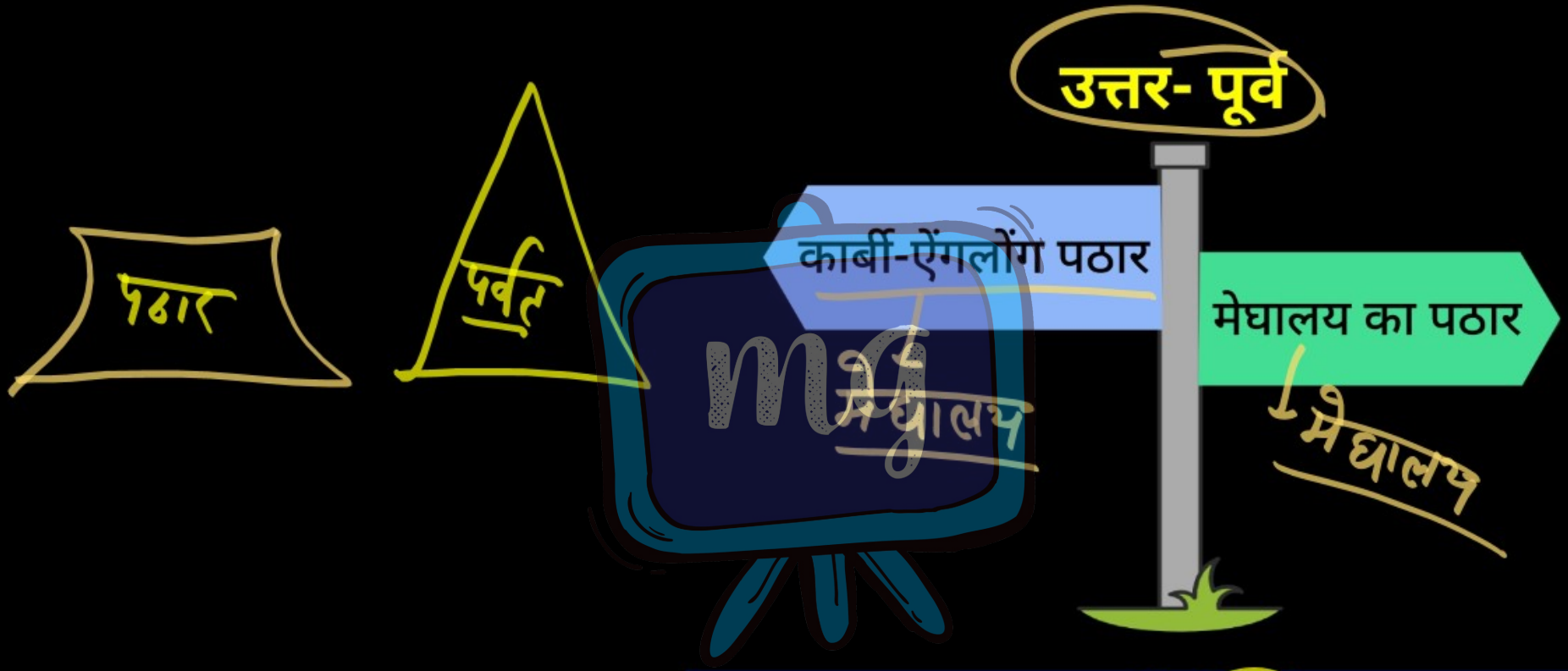


उत्तरी सीमा :-

- कच्छ से दिल्ली तक, अरावली के पश्चिम से होकर
- गंगा-यमुना के समान्तर
- राजमहल की पहाड़ियों व गंगा डेल्टा तक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



नोट : पश्चिम बंगाल में मालदा भ्रंश इन दोनों पठारों को छोटा नागपुर पठार से अलग करता है।

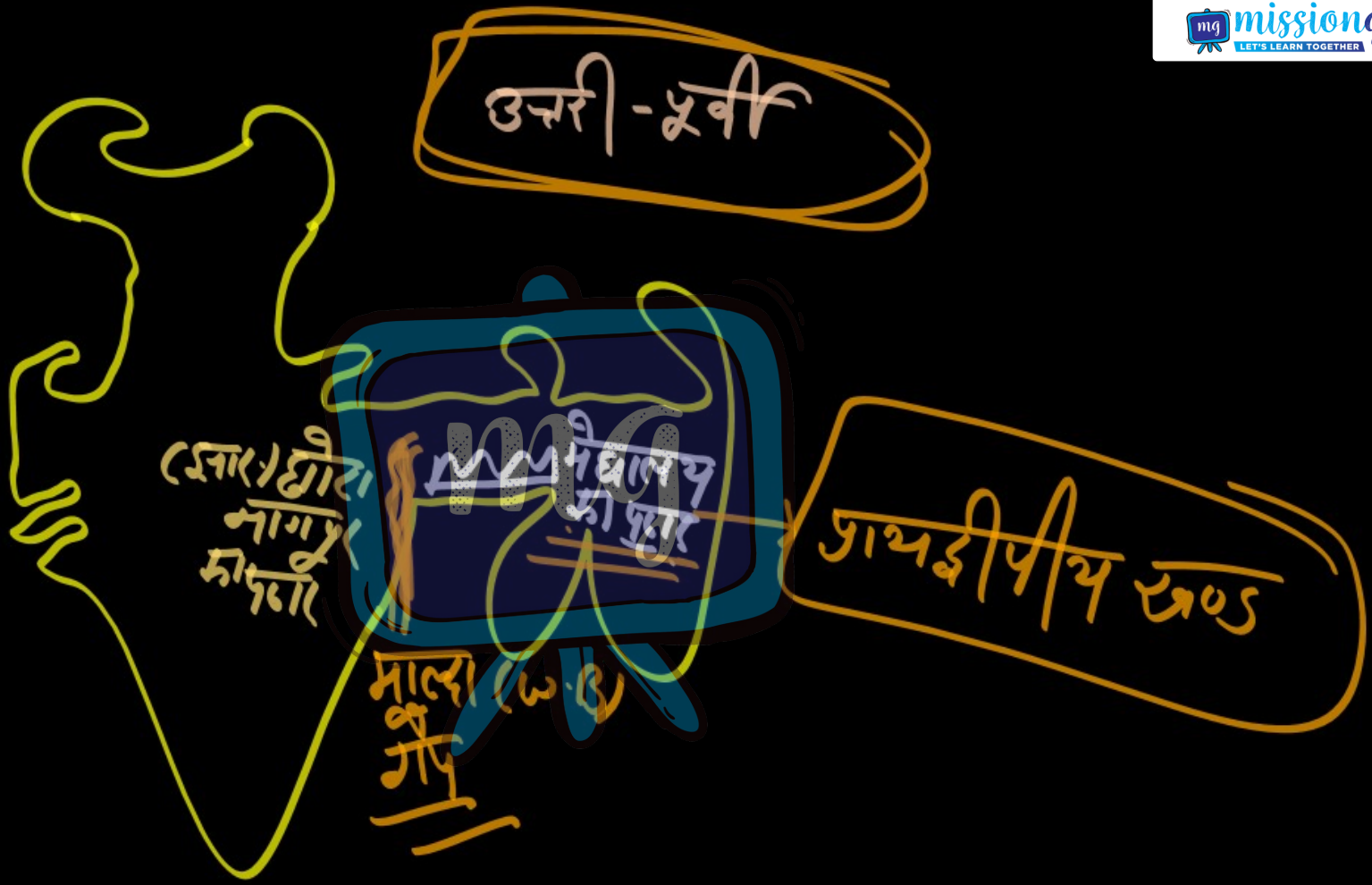
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



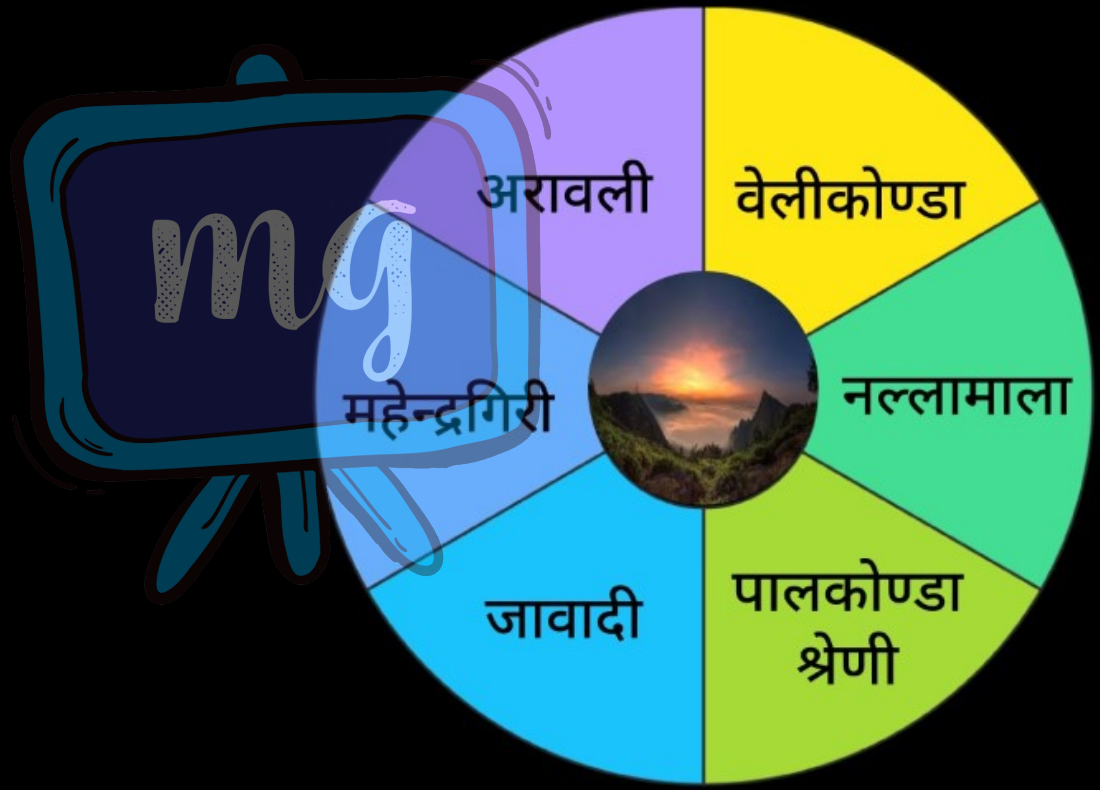
नोट

- पश्चिम में राजस्थान में भी इस खण्ड का विस्तार हैं।
- राजस्थान में प्रायद्वीपीय खण्ड मरुस्थल व मरुस्थल सदृश्य स्थलाकृतियों से ढका हुआ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

अवशिष्ट पहाड़ियाँ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

रिफ्ट घाटियाँ

- नर्मदा घाटी
- तापी घाटी
- महानदी घाटी



नोट

प्रायद्वीपीय खंड की नदी घाटियाँ उथली और उनकी प्रवणता कम होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

नदियाँ

महानदी

गोदावरी

कृष्णा

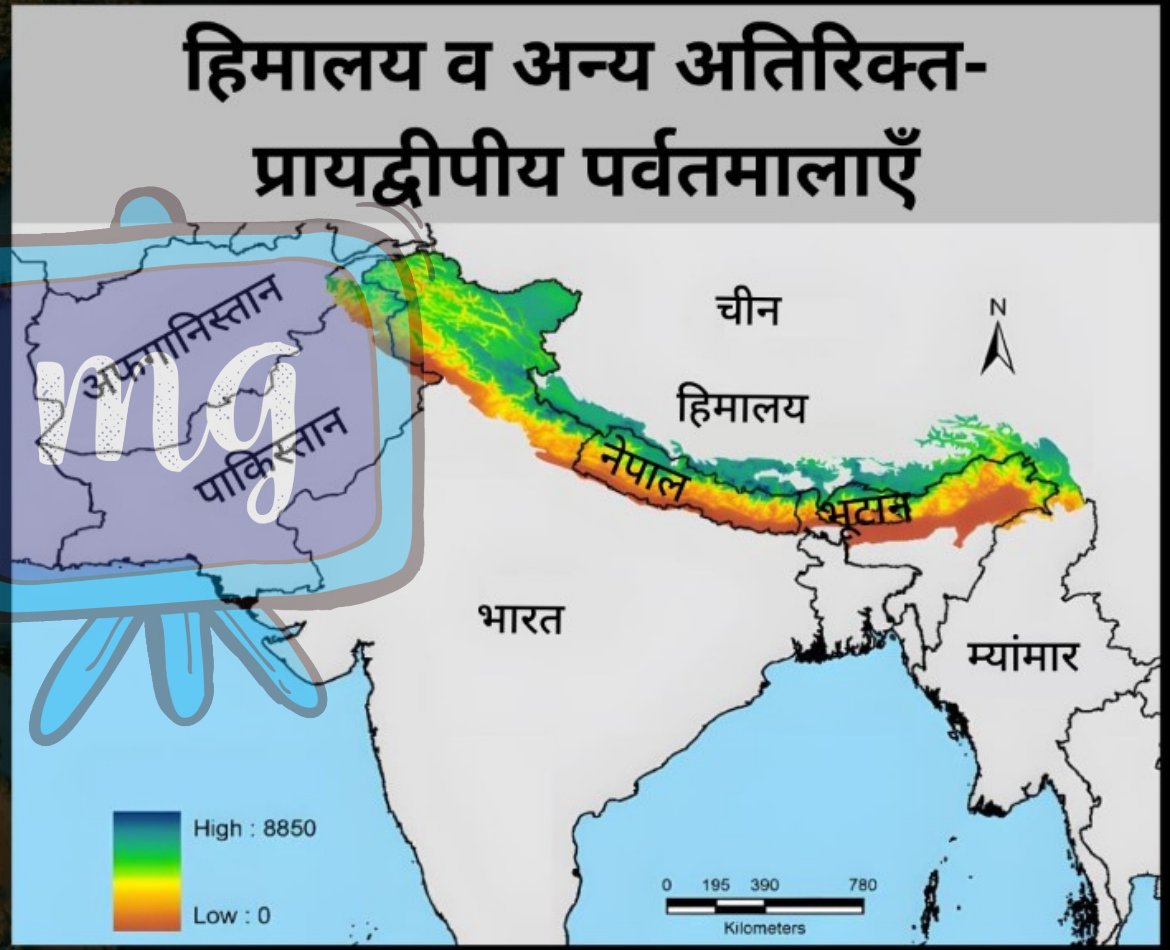
नोट

पूर्व की ओर प्रवाहित ये नदियाँ डेल्टा का निर्माण करती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

हिमालय व अन्य अतिरिक्त-प्रायद्वीपीय पर्वतमालाएँ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

विशेषताएँ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सिंधु-गंगा-ब्रह्मपुत्र मैदान

निर्माण :-

- लगभग 6.4 करोड़ वर्ष पूर्व
- हिमालय निर्माण प्रक्रिया के तीसरे चरण में

